>

Title: Regarding death of several persons in two bomb blasts in Hyderabad, Andhra Pradesh.

MADAM SPEAKER: Shri Basu Deb Acharia.

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: ये हैदराबाद बम ब्लॉस्ट पर ही बोल रहे हैं।

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): I have also given a notice on bomb blast in Hyderabad. ...(*Interruptions*)

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: मैं सब को बुलाऊंगी।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: ये टैरिरिज़्म पर ही बोल रहे हैं, मैंने टैरिरिज़्म पर बोलने के लिए इनको खड़ा किया है।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Let the hon. Minister speak.

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI KAMAL NATH): Before the hon. Members speak on this issue which is obviously very important, I would like to inform the House, through you, that the Union Home Minister, along with the Home Secretary and the Director-General of the National Investigation Agency, left early morning for Hyderabad to review the situation of the blast. He has just returned or is returning shortly and he will make a Statement in the Lok Sabha at 2 p.m. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया: मैं सब को बुला लूंगी।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: ये सीरियल बम ब्लॉस्ट पर बोल रहे हैं। इन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: हम उसी विषय पर बुला रहे हैं, ये जो बम विस्फोट हुआ है। हम सब को बुला लेंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: हम सब को बुला रहे हैं। शून्य-प्रहर और एडजर्नमेंट मोशन, सीरियल बम ब्लॉस्ट पर बोलने के लिए इनका नाम है, इसलिए हमने इनको खड़ा कर दिया।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हम आपको बुला लेंगे, अभी उनको बोलने के लिए खड़ा कर दिया है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बासुदेव आचार्य जी, नेता प्रतिपक्ष पहले बोलना चाह रही हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, सबको दो-दो मिनट बोलने का समय दीजिए। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : सुषमा जी, आप बोलिए।

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): धन्यवाद अध्यक्ष जी। अध्यक्ष जी, आज सदन के शुरू होते ही आपने पीठ से उन शहीदों को श्रद्धांजलि दी, जो कल के हैदराबाद

बम विस्फोट में मारे गये थे। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण हादसा है, बेहद दर्दनाक और शर्मनाक भी है। मेरी जानकारी के अनुसार 14 लोगों की मौत हो गयी है, 119 लोग घायल हैं, जिनमें से 7 की हालत अत्यंत चिंताजनक है।

अध्यक्ष जी, ऐसे प्रसंग एक-दूसरे पर दोषारोपण करने का अवसर नहीं देते, बल्कि एकजुट होकर दृढ़-संकल्पित होकर आतंक का सामना करने का अवसर देते हैं। लेकिन वह सामना करना तभी संभव है, जब हमारी सोच में आतंक से लड़ने की समानता हो। मुझे केवल दुख इस बात का है कि देश में एक सम-सोच, एक समान सोच आतंक से लड़ने की नहीं बन रही है। बहुत बार आतंकवादियों के मानवाधिकारों की पैरवी करते हुए हम उनके खिलाफ नरमी बरतने की बात करते हैं, बहुत बार केन्द्र सरकार केवल यह जानकारी देकर राज्य सरकार को कि आपके यहां ऐसा हो सकता है, अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर लेती है। जैसा कि इस केस में भी हुआ है, स्वयं गृह मंत्री यह कह रहे हैं कि हमने जानकारी दी थी। पहले भी बहुत बार यह हुआ कि केन्द्र सरकार यह कहती है कि हमने जानकारी दी थी, लेकिन अगर जानकारी होने के बाद भी घटना घटती है तो दोष दो गुना हो जाता है। अगर जानकारी दी थी तो केन्द्र सरकार क्या कर रही थी, राज्य सरकार क्या कर रही थी, अगर जानकारी के बावजूद और यह जानकारी के बावजूद कि वहां रेकी हुई थी, आतंकवादी अपना काम करने में सफल हो जाते हैं, निर्दोष लोगों को मारने में सफल हो जाते हैं तो क्या हम केवल जानकारी देकर हाथ पर हाथ धरे बैठे रह सकते हैं? ये ऐसे प्रश्न हैं, जो हर बार जब आतंकवादी घटना होती है तो सामने खड़े होते हैं, लेकिन जैसा मैंने कहा कि अगर आतंकवाद से लड़ने की एक समान सोच देश में तैयार हो जाये और हम सब यह समझ लें कि आतंक को किसी मजहब की दृष्टि से नहीं देखना है, आपस में बंटना नहीं है, बल्कि आतंकवादी का कोई धर्म नहीं होता, आतंकवादी का कोई रंग नहीं होता, आतंकवादी सिर्फ आतंकवादी होता है; यह सोचकर पूरा का पूरा देश इकट्ठा होकर इसका सामना करने लगे तो जो हम ग्लोबल टेररिज्म की बात करते हैं और उन लोगों से लड़ने की बात करते हैं, अन्तर्राष्ट्रीय जगत में अन्य देशों को साथ लेने की बात करते हैं, उससे पहले देश को एक होना होगा। उससे पहले देश के तमाम राजनैतिक दलों को एक होना होगा और अगर वे अपनी एक समान सोच बना लेंगे तो इस आतंकवाद से लड़ने में हम सफल हो सकेंगे। हम इंतजार कर रहे थे कि शायद आज सदन शुरू होने से पहले गृह मंत्री आयेंगे और वे तथ्यों से हमें अवगत करायेंगे और क्या उन्होंने किया है और क्या अब तक की जानकारी है, सदन को इसकी जानकारी मिलेगी। जैसा कि अभी संसदीय कार्य मंत्री जी ने बताया कि वे अभी तक पहुंचे नहीं हैं और दो बजे वह इसका जवाब यहां देंगे तो मुझे लगता है कि प्रारम्भिक बात मुझे आज जो कहनी थी, वह कही है। दो बजे जब उनका जवाब आयेगा तब हम उसकी जानकारी के आधार पर अपनी आगे की बात रखेंगे और दो बजे आप इसी विषय को लें, यह मैं आपसे अनुरोध करूंगी। धन्यवाद। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री बसुदेव आचार्य।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपको बुला लेंगे। अभी इनको बोलने के लिए खड़ा कर दिया है, आपको इनके बाद बुला लेंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हम सबको बुला लेंगे।

â€¦(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Madam, another unfortunate incident has taken place yesterday in Dilsukhnagar of Hyderabad city. The place which has been selected for serial bomb blast is a mini Andhra Pradesh where more than 20 lakh people reside. इस जगह को बम ब्लास्ट के लिए चुना है। पहले भी तीन घटनायें घटी थीं।

In the city of Hyderabad there had been three serious bomb blasts in the past. I heard the statement of the Home Minister yesterday. He stated yesterday immediately after the incident that State Governments were informed that such incidents might take place and the Home Ministry had alerted the State Governments. That means, the Central Government was aware that such incidents would take place in some parts of our country. If State Governments were alerted, if State Governments were informed, if the Government of Andhra Pradesh was informed, if the Government of Andhra Pradesh was aware that such incidents or such bomb blasts would take place in the city of Hyderabad, then I would like to know why no action was taken by the State Government to prevent the occurrence of such an incident. As a result of this bomb blast, about 15 persons died and more than 100 persons are injured and out of 120 persons who are injured, the condition of many of them is very critical. So, the number of victims is likely to increase, it will not be limited to only 15. So, it is a very serious incident.

The Home Minister will come and make a statement at 2 o'clock and then we will be able to know what are the factors behind this incident, who were responsible etc. We are told that National Counter Terrorism Centre was set up in many parts of the country. I would like to know what that centre was doing. I would also like to know whether it was an intelligence failure. Every time when such an incident takes place, we are told that it is an intelligence failure. What is the reason for such intelligence failure? यह हम लोग जानना चाहेंगे। मंत्री जी जब आएंगे तो बयान देंगे कि इसके पीछे क्या कारण था? गृह मंत्रालय को

इसके बारे में जानकारी थी जो कल बताया है तो क्यों जानकारी के बावजूद इतना बड़ा हादसा हैदराबाद शहर में हुआ। यह हम जानना चाहते हैं। Terrorism has no colour or religion and we will have to fight terrorism unitedlly without dividing the people of our country. Then only we will be able to overcome this menace.

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, हैदराबाद में हुआ बम धमाका बहुत ही गंभीर और यह देश के लिए बहुत ही दुखद घटना हुई है। सबसे ज्यादा आश्चर्य इस बात का है और दुख भी है कि सरकार को इसकी सूचना थी। सरकार ने स्वीकार भी किया कि प्रत्येक राज्य को एलर्ट कर दिया गया है, उसके बावजूद भी वे विस्फोट करने में कामयाब हुए, जिसमें अभी तक 13 लोगों के मरने की खबर है, किसी खबर में 14 लोग, किसी खबर में 15 लोग और किसी खबर में 19 लोग घायल हैं। अभी तक कुल 83 लोग घायल हैं। कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं और भी लोगों की मौत हो सकती है। धन-जन का नुकसान हुआ है। हम लोगों को यह पता है कि इस बात से देश को खतरा है। आसपास कुछ ऐसा माहौल है, हमारे पड़ोसी देशों के पास, पड़ोसी देशों से, आतंकवादी जो सीमा पार कर हमारे देश में निकल आते हैं, यह सबसे गंभीर बात है।

जहां तक देश का सवाल कहा गया है, नेता विरोधी दल ने कहा है, इस मामले में पूरा देश सरकार के साथ है। पहले भी जब–जब ऐसी घटनाएं हुई हैं, तब–तब सरकार को भी आश्वस्त किया गया। पूरे देश ने पहले भी प्रस्ताव पास किया है, लोक सभा में प्रस्ताव पास किया गया है। पूरा देश साथ है, पूरा सदन साथ है, फिर सरकार बताए कि उसकी क्या कमजोरी है। हिम्मत के साथ, साहस के साथ, हमारी बहादुर फौज है, सब कुछ है। आपकी इंटैलीजैंस है, रॉ भी है, और अन्य एजैंसियां हैं। पूरी खबर होने के बाद घटना हो जाए तो देश की सुरक्षा कैसे हो सकती है? देश का बचाव कैसे हो सकता है? यह सरकार को बताना चाहिए? आज सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन पूरे देश के लोग एक साथ हैं, पूरी जनता साथ है, पूरा सदन साथ है। लोक सभा में एक बार नहीं बल्कि कई बार संकल्प किए जा चुके हैं। चीन की लड़ाई से लेकर लगातार कई बार ऐसे मौके आए जब पूरा देश, पूरी सल्तनत साथ खड़ी हुई है। फिर सरकार की क्या कमजोरी है, क्या खामियां हैं, कैसे गलती होती है। जब विस्फोट हो गया, हत्याएं हो गई तो इसका असर पूरे देश में होता है। रास्ता चलते, रेलगाड़ियों, जहाज से चलते, चाहे साइकिल से चलें, चाहे पैदल चलें, चाहे खेत में काम करें, हिन्दुस्तान के सब लोग आज दहशत में हैं। आज सरकार को ऐसा कोई आश्वासन देना चाहिए कि देश में कोई भयभीत न हो। अगर पूरा देश भयभीत होगा तो उसकी क्या हालत होगी। हमारे व्यापार से लेकर, कल विदेश नीति पर राष्ट्रपति जी का भाषण हुआ। आपकी विदेश नीति क्या है? इसमें आपका साथ कौन देंगे। यह सही है कि दुनिया में आतंकवाद के खिलाफ सब देश एक साथ नहीं हो सकते लेकिन कुछ देश हो सकते हैं। क्या इसके लिए सरकार ने प्रयास किया है? अगर प्रयास किया है तो आपके साथ कौन-कौन से देश आए हैं कि हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ेंगे।

यह ठीक है कि गृह मंत्री जी वहां गए हैं। लेकिन उससे पहले आपके पास जो भी जानकारी है, वह तत्काल बतानी चाहिए। देश की जनता दहशत में है कि क्या हुआ, कैसे हुआ। आपके पास जो भी रिपोर्ट है, सूचना है वह सदन को बताइए। संसदीय कार्य मंत्री जी, आपकी गृह मंत्री जी के साथ बात हुई होगी। आप देश और इन घटनाओं के बारे में अच्छी तरह समझते हैं, जानते भी हैं। आपको अनुभव है। ऐसा तो नहीं है कि आपकी प्रधान मंत्री जी, गृह मंत्री जी से बात नहीं हुई होगी।...(<u>व्यवधान</u>) कुछ न कुछ बात तो हुई है। आपने क्या रणनीति अपनाई है? आप विस्तार से बताएंगे कि यह नुकसान हुआ, वह नुकसान हुआ, लेकिन आपकी असली नीति क्या है। नीति बनाने वाले प्रधान मंत्री जी हैं, आपका मंत्रिमंडल है। अगर हो सके तो आधे घंटे के अंदर कैबिनेट की मीटिंग बुलाइए। क्या नीति है, वह बताइए। यह मुश्किल काम नहीं है, यह खतरनाक है।...(<u>व्यवधान</u>) हमारा इतना विशाल देश, इतनी बहादुर सेना सब साथ खड़े हैं। विपक्ष और सत्ता पक्ष तथा पूरा सदन एक साथ है, फिर आपको कहां परेशानी है, क्या बाधाएं हैं जो आतंकवादियों का मुकाबला नहीं किया जा सकता। संसदीय कार्य मंत्री जी, आपसे निवेदन है कि इस बारे में अभी कुछ न कुछ जरूर सदन को बताना चाहिए।

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): अध्यक्ष महोदया, हम बहुजन समाज पार्टी की तरफ से हैदराबाद में हुई आतंकी घटना की निंदा करते हैं और उसमें जो लोग मारे गये हैं, उनके परिवार वालों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं।

अध्यक्ष महोदया, इस बात से सवाल जरूर पैदा होता है कि गृह मंत्री जी का यह बयान कि दो दिन पहले इसकी सूचना थी, तो पूर्व की सूचना के बाद यह शंका कि इस तरह की घटना घट सकती है, यह बहुत ही गंभीर मामला है। गृह मंत्री जी वहां से आने के बाद इस सदन और देश को बतायें कि उनके पास कौन सी तकनीक है। अगर अचानक कोई घटना घटती, तो बात लोगों की समक्ष में आती कि किसी को सूचना नहीं थी। लेकिन हमें पूर्व सूचना थी, यह गृह मंत्री जी का बयान है। उसके बाद उन्होंने प्रदेश सरकार को किस तरह से अलर्ट किया। गृह मंत्रालय, भारत सरकार इसमें क्या कर रहा था? उसके बाद जो इस तरह से घटना घटी है, तो निश्चित रूप से देश के सामने एक आशंका पैदा होती है कि भारत सरकार के पास कौन सी तकनीक है। ये कितने दिन पहले सूचना मिलने से अलर्ट हो सकते हैं, सतर्क हो सकते हैं, इस तरीके की घटना को रोकने में समर्थ हो सकते हैं? इसलिए मैं समझता हूं कि गृह मंत्री जी वापस आने के बाद इस पर जरूर जवाब दें कि कहां चूक हुई। मैं यह भी जरूर चाहता हूं कि इस घटना में जो भी लोग शामिल हैं, उनको पनिशमैंट मिलना चाहिए और इसका भी ध्यान रखना चाहिए कि कहीं गलत लोग साजिश का शिकार न हो जायें, क्योंकि इससे लोगों में गलत मैसेज जाता है।

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष जी, सभी साथियों ने अभी जो बात कही है, उसे मैं दोहराना नहीं चाहता। मैं कल गृह मंत्री जी का बयान देख रहा था। जानकारी है कि अभी तक वहां 15 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। सिर्फ सूचनाएं मिल रही हैं और घटनाएं निरंतर होती रहती हैं। हम सब लोग खड़े होकर निंदा ही नहीं करते, बल्कि हर तरफ से सहयोग देने का भी वचन देते हैं। मैं मानता हूं कि यह सरकार लुंज-पुंज है। जैसे सब साथियों ने कहा कि आपका इंटेलीजैंस और सरकार का जो संयुक्त संकल्प होता है, वह कहीं जाहिर नहीं होता। अफजल गुरू को फांसी हुई। देश भर के लोगों को कई दिनों से इस बात पर वेदना थी कि सारी अदालतों के फैसला देने के बाद भी हम वक्त पर ठीक काम नहीं कर पाते। हमने किया, मुझे गलत न समझा जाये, लेकिन जब हम कहते हैं कि कानून के सामने सब बराबर हैं, तो उसके परिवार को सूचना देने में आप जिस तरह का तरीका अपनाते हैं, आप जानते हैं कि हर इलाके में अलग-अलग सेंटीमेंट्स होते हैं। कुछ अच्छे होते हैं और कुछ बुरे होते हैं। बेअंत सिंह पंजाब के मुख्य मंत्री थे। उनके

कातिल को फांसी देने की बाबत जब बात उठती है, तो कुछ इलाके में संवेदनाएं अलग हो जाती हैं क्योंकि यह बड़ा देश है। ऐसा नहीं कि हम उनके बारे में बुरा सोच रहे हैं। सब जगह होती हैं। ...(<u>व्यवधान</u>)

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): इलाके से बड़ा देश होता है। ...(व्यवधान)

श्री शरद यादव : मैं समझ गया । ...(व्यवधान)

श्री उदय सिंह (पूर्णिया): शरद जी, आप क्या कह रहे हैं, हम लोग कन्फ्यूज हो रहे हैं। ...(व्यवधान)

श्री शरद यादव : कोई कन्फ्यूज करने की बात नहीं है। मेरा यह कहना है कि जो कानून है, वह सबके लिए बराबर होना चाहिए। ...(व्यवधान) आपने अकारण ही एक कानून के अंतर्गत ठीक काम किया। उस ठीक काम को सम्पन्न करने के लिए आप उसके परिवार को कैसे सूचना दे रहे हैं? ...(व्यवधान) देरी की। ...(व्यवधान) 9 साल लगाए।...(व्यवधान) इसके बाद भी आप ठीक तरीके से नहीं कर पाए। क्यों उसके परिवार को नहीं बुलाया? क्यों नहीं उनको खबर दी? फिर इसी बात को ख्याल में रखकर पूरे देश भर में आपने एलर्ट जारी कर दिया। इनका एलर्ट गजब है। एलर्ट कर देते हैं। एक पत्र लिखा दिया - तैयार रहो, सतर्क रहो। देश में आज तक मुझे नहीं पता चला कि कब सतर्क रहे हैं? सतर्क करने से क्या चीज बन जाएगी भई? क्या आतंकवादी आपको बता देगा कि इस जगह जाने वाला है, इस वक्त पर जाने वाला है? कल कह रहे थे कि हमने तो खबर कर दी है, तो क्या करेगी राज्य सरकार? कहां का एलर्ट रहेगा? हमारी हालत है आपको मालूम? क्या पुलिस है, क्या हमारा इंटेलिजेंस है? बिल्कुल लुंज-पुंज है। यह जो सरकार है, इसका कोई इकबाल ही नहीं है, न भीतर है, न बाहर है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है। अब समाप्त कीजिए।

श्री शरद यादव : सुषमा जी ने बयान मांगा है, ये बयान दे देंगे। हर बार बम ब्लास्ट होगा, लोग मरेंगे, फिर ये बयान दे देंगे।...(व्यवधान)

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): जांच के बाद बहस होनी चाहिए।

श्री शरद यादव : बहस क्या होगी, बहस तो हम लोगों ने कर ली, माथा मार लिया अपना। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग आपस में बात मत कीजिए, बहुत गंभीर विषय पर बात हो रही है।

श्री शरद यादव : अध्यक्ष जी, इसलिए आपके माध्यम से मेरी विनती यह है कि जो चीजें हमको मालूम हैं, कृपया उनके जैसी या उन्हीं को दोहराने का काम न करें। अगर कोई ठोस बात इनके पास है, तो उसको बताएं। इन्होंने पूरे देशभर में एलर्ट किया था, वह किस मानसिकता से किया था? वह खबर क्या थी? उस खबर का क्या स्रोत था? इतना बड़ा देश है। यह बयान तो आए, लेकिन यह बयान हम बार-बार सुन चुके हैं, देश बेचैन है। इस तरह की मार-काट बंद होनी चाहिए। इसके लिए कल संकल्प के साथ आप ठीक बयान दें। सभी लोगों ने कहा है कि सहयोग करने को तैयार हैं, आप बताइए कि क्या सहयोग करना है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : धन्यवाद।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप क्या कर रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : शरद जी, आपकी बात समाप्त हो गयी?

श्री शरद यादव : अध्यक्ष जी, मैं राजनीति बिल्कुल नहीं कर रहा हूं। इन्हीं बातों के साथ मेरी आपसे विनती है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : यह क्या हो रहा है। यह बहुत गंभीर विषय है।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : मेरी विनती है कि इनका बयान रुटीन नहीं होना चाहिए, वह तोता रटन्त नहीं होना चाहिए। ठीक बात बताई जाए हमको।

अध्यक्ष महोदया : ठीक है। धन्यवाद। श्री सुदीप बंद्योपाध्याय ।

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Madam, yesterday's incident in Hyderabad was really a barbaric, cowardice, as you have mentioned, a heinous and a shameful incident, which we strongly condemn. What it appears is that the Government of India possibly was over-confident that such type of incidents will not occur anywhere in India any further more. Yesterday, the hon. President in his speech implied that there were no possibilities. This was mentioned in President's speech that we are still concerned about the terrorist threat which may occur in our country. So, what we feel is that we are going to be sandwiched between terrorist attack on one side and Maoists attack on the other side.

We face this type of Maoist activities in our State of Bengal. You will be glad to know that now it is at zero level. The Chief Minister's tremendous style of functioning has made Maoist activities in Bengal at zero level. What I would like to mention or would suggest that when Advaniji was the Home Minister, he used to make us convinced as to how Hizb-ul-Mujahideen, Jaish-e-Mohammed, Lashkar-e-Taiba and other terrorist outfits were functioning. We have heard that Indian Mujahideen has now stationed in Hyderabad and they are trying to operate it. So, if we take these incidents seriously, we

should be more cautious. I fully believe that India is a country where the people are firm believers of the principles of remaining united at the time of crisis.

All the political parties are united in standing behind the Government, and we will extend our full support to whatever measures the Government wishes to take in this regard. Equally the Government will have to rise to the occasion with firm attitude and should give a feeling to the common people that the Government is functioning properly with positive outlook and with managerial efficiency.

श्री नामा नागेश्वर राव (खम्माम): मैडम, हम उस राज्य से आते हैं, जहां यह घटना घटी है, हमें भी बोलने का मौका दिया जाए...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आपको भी मौका मिलेगा, लेकिन शोर न करें। इतनी दुखद घटना घटी है, उस पर बात कर रहे हैं इसलिए कृपया शांतिपूर्वक सदन चलाने दें और बैठ जाएं।

श्री अरुण कुमार वुंडावल्ली (राजामुन्दरी): यस्मान्नो द्विजते लोको, लोकान्नो द्विजते जयः।

हर्षामर्ष भयोद्वेमः मुक्तो, यस्यसः च मे प्रियः।।

यह हमारी फिलासफी है, जो दुनिया में किसी से डरता न हो और दुनिया में कोई भी इससे डरता न हो, वही हमें सबसे प्यारा है, यह बात भगवान श्रीकृष्ण ने कही है। हम किसी को डराना नहीं चाहते हैं और हम किसी से डरना भी नहीं चाहते हैं। मगर ऐसा हो गया कि डराना ही एक फिलॉसफी बन गई है। आतंकवाद कुछ नहीं है, लोगों को डराना ही उनका फिलॉसफी है। इससे लड़ने के लिए हम सबको एक होना चाहिए, सिर्फ भारत को ही नहीं, पूरी दुनिया को एक होना चाहिए। मैं कभी-कभी सोचता हूं कि जिसे सजा मिली वह हीरो बन रहा है, जिसने गलत काम किया, उसे हीरो बनाने की कोशिश जारी है। जिन्होंने देश के लिए प्राण दे दिए, जैसे कल हैदराबाद में हुआ, उन लोगों का कोई खयाल ही नहीं हो रहा है। कल की घटना में हैदराबाद में जिनकी भी मृत्यु हुई, हमने अखबारों में पढ़ा कि एक आदमी का बेटा आईआईटी खडगपुर में पढ़ता है, उसे फोन करते-करते ब्लास्ट हो गया। बेटा पूछने लगा कि बाबा, क्या हुआ, पिता जी क्या हुआ। इसी तरह दो लोग पुलिस की ट्रेनिंग लेकर एसआई बनकर जॉइन करने वाले थे और वहां कुछ चाट या खाना खाने आए थे, वे दोनों भी मारे गए।

मैडम, मैं समझता हूं कि जो लोग कल के बम ब्लास्ट्स में मारे गए हैं, उनके परिवार वालों को यह सम्मान मिलना चाहिए कि ये देश के लिए मरे। हमारे देश के खिलाफ जो लड़ने आए हैं, उनसे लड़कर इन्होंने अपने प्राण दिए हैं। इसलिए उनके परिवार वालों को वही सम्मान मिलना चाहिए जो फ्रंटियर में फाइट करते हुए जवान मारे जाते हैं। जैसी केयर उन जवानों की फैमिली की होती है, वैसी ही केयर इन लोगों के परिवारों की हो जो आतंकवादियों के हाथों मारे जाते हैं। वे लोग देश की खातिर शहीद हो गए हैं। वे शत्रु से लड़ते हुए नहीं मरे, देश के शत्रुओं ने उन्हें मार दिया। आतंकवादी यह समझते हैं कि इस तरह मासूम लोगों को मारने से हम इस देश में घबराहट पैदा कर देंगे, इस देश को डरा देंगे, लेकिन वह कभी नहीं होगा। जो लोग इस घटना में मरे हैं, वे देश के लिए अमर हो गए हैं, उनकी फैमिलीज को ऐसा मैसेज हमें देना चाहिए कि आपके परिवार वाले जो मारे गए हैं, चाहे मां-बाप हों या बच्चे हों, कोई बात नहीं पूरा भारत आपके साथ है।

SHRI T.R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Madam Speaker, on behalf of my Party, I strongly condemn the dastardly act and the heinous crime committed by the terrorists. It has cost us more than 17 innocent lives, and more than 150 people have been injured in this act of terrorism.

Madam, this particular State has been subjected to such dastardly acts. Within a matter of one year, there were two such incidents. Now, this is the third incident which has taken place. A serial bomb blast has taken place yesterday. Yesterday, our Home Minister has gone on record saying that he has already got information and the Intelligence Report was in possession. Definitely, he should have shared this information with other States, especially with Andhra Pradesh when it is State specific. I do not know whether this Report has been shared with the Andhra Pradesh Police or the Andhra Pradesh administration. If it is so, with whom he has shared, and what action have they taken? We would like to know why the Government of India has not taken preventive action. The Home Ministry should have joined with the State Police Force so that joint action would have been taken. All these things should be made clear when the Home Minister comes before this House; and we should have a proper statement in the House.

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): Madam, on behalf of my party, I strongly condemn the dastardly act, which happened in Hyderabad in Dilsukh Nagar. It is a cowardly act perpetrated by the enemy of this country.

I would also mention here that just 100 metres to 150 metres away from the Sai Temple, the first bomb blast had taken place. Yesterday was Thursday; and there was a large number of devotees who had congregated near the Sai

Temple. On an earlier occasion, a bomb blast had taken place near the Sai Temple. As far as I am given to understand – I am sure, the Home Minister is going to make a statement at 2 o'clock today – that the target was the devotees of the Sai Temple of Dilsukh Nagar. Just 10 minutes before this bomb blast had taken place, the DGP had visited the Sai Temple. I am not aware whether he is a devotee of Sai Baba....(*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): He was the Police Commissioner and not the DGP.

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB : I am told that he was the DGP.

Perhaps the cycle borne terrorist noticing the frequent movement of the police force in and around the Sai Temple had panicked and left that cycle just 100 metres or 150 metres away from the Sai Temple. My only view, which I want to mention here, is that by the statement of the hon. Home Minister, he has given the credit to the intelligence agency. The intelligence agency was aware about that incident as to what is going to happen. That information must have passed on to the police force of Andhra Pradesh. We would be eager to know from the Home Minister to find out where is the disconnect between the intelligence and the police force.

Invariably, we have been discussing in different forums that just one incident of 9/11 in the United States has totally controlled the terrorist activities in the United States. After two or three incidents in the UK, there is no further terrorist activity in Britain. But why is it that in our country, year after year, such incidents go on happening? That is why the leaders cutting across party line stand here and say: "Whatever endeavour the Government wants to take, we will be with it." Where is the problem today and why are we unable to control terrorism? Why can we not pre-empt the terrorist activities in our country? What more needs to be done?

I believe that there is a need to have proper dissemination of information that trickles down to the intelligence agencies from various quarters; and I hope that the incident that occurred last evening was not an instant decision of the terrorist organizations. They must have prepared themselves two or three days before. Certain information must have passed through different channels which must have been tapped by our intelligence agencies. We would be educated if the Government comes out with full details of those information.

I would also be obliged if the Home Minister stands up in this House and says, how far was the headquarters of disbanded SIMI organization from that place of the incident. There are a number of other organizations in this country, which are anti-India. They want this country to be poor and weak.

One message that should go from this House should be loud and clear that we are one in fighting against terror.

MADAM SPEAKER:

Shri Shivkumar Udasi is allowed to associate with the matter raised by Shri Bhartruhari Mahtab.

DR. M. THAMBIDURAI (KARUR): Madam Speaker, yesterday's incident that took place in Hyderabad is a very sad one. This morning itself you mentioned about it in the House in the Obituary.

Madam, India is the very biggest democratic country in the world. There is a conspiracy to destabilize our system. That is what is happening. The terrorism acts go like that. We know that this type of incidents is taking place continuously for many years. We have been seeing that. Even though the law and order is a State subject, the Centre cannot keep away its responsibility. It has to play a vital role because many incidents are taking place and all the State Governments may not have that kind of information. The Centre alone can feed the information to the State Governments.

Yesterday, even the Home Minister said that he had passed on the message to the State Government. I do not know whether it is a routine message he has sent or he has sent any specific message to the Government of Andhra Pradesh that this incident is going to take place. Then, where is the lapse? Why the Government failed? We do not know. Therefore, instead of giving routine statements, the Home Minister must give a clear statement about what actually happened.

Madam, we know that terrorism is a very big issue in the country. At the same time, what is the responsibility that we are taking? I know saving the human lives, lives of the citizens is the prime responsibility of the Government, not only of the State Government but also of the Central Government. We are elected to protect the lives of the human beings of this country. That is what the Kings did it. That is the prime duty. After the Defence Ministry, we have to deal with the Home

Ministry. What sort of allocation are we giving to the Home Ministry? In many of the debates on the Home Ministry, I had requested the Government to consider and see that it has allocated more money to modernize our police force, and also requested the Government to give more money to the State Governments. Without that, how can you improve the intelligence agencies? It is because intelligence is very important. Without that, this kind of incidents takes place. If intelligence fails, then they cannot do anything. Therefore, in order to increase the efficiency of the intelligence agencies, we have to recruit good persons with caliber. For that, the Government has to come forward with a good scheme. That is why, because of the failure of intelligence agencies, this kind of incidents is taking place.

Yesterday, 15 persons died in Hyderabad. That is what the Home Minister said. Madam, 64 persons are in serious conditions. If this continues like that, then we are shirking our responsibility. Therefore, we want to see that terrorism must be controlled and removed from this country. Also, the Centre must come forward to give more and sufficient funds to all the State Governments and also pass on the intelligence inputs to the State Governments in advance and see that this kind of incidents does not take place.

Therefore, on behalf of my Party, I strongly condemn the incident that took place in Hyderabad. We also sympathize with the people who lost their lives and suffered injuries.

श्री अनंत गंगाराम गीते (रायगढ़): अध्यक्ष महोदया, कल हैदराबाद में आतंकवादियों द्वारा 15 लोगों की हत्या की गई है और सौ से अधिक लोग घायल हुए हैं। मैं इस घटना की कडे शब्दों में निंदा करता हूं। हमारे गृह मंत्री जी ने घटना घटते ही बयान दिया कि हमने दो दिन पहले ही आंध्र सरकार को इस बात के लिए आगाह किया था। अब सवाल यह उठता है कि यदि केंद्र सरकार को यह बात दो दिन पहले से पता थी, तो जिन स्रोतों की सहायता से उन्हें यह बात पता थी कि इस प्रकार के हमले हो सकते हैं तो भारत सरकार ने इन आतंकवादी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए?

यह पहली घटना नहीं है। हर बार ऐसी कोई घटना होती है और पूरे देश को अलर्ट किया जाता है। जब अफ़जल गुरु को फांसी दी गई थी तभी पूरे देश को अलर्ट किया गया था। अफ़जल गुरु को फांसी देने के बाद आतंकवादी संगठनों ने पूरे देश को धमकाया था कि हम इसका बदला लेंगे। इस बात से केंद्र सरकार और राज्य सरकारें पूरी तरह अवगत हैं लेकिन फिर भी कल का आतंकवादी हमला हो गया। मैं आपके माध्यम से एक बात की ओर सदन और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। हम कई वर्षों से आतंकवाद को झेल रहे हैं और इसकी सारी जड़ें सीमा पार हैं। हमारा देश और सरकार इस बात को जानते हैं। कई बार गृह मंत्री की ओर से सदन में बयान दिए गए हैं कि सारे आतंकी हमलों में पाकिस्तान का हाथ है। हम सब इस बात को अच्छी तरह जानते हैं। देश भी पूरी तरह इस बात को जानता है कि सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ाया जा रहा है। जो संगठन आतंकवादी में लिप्त हैं, वे चाहे सीमा पार के संगठन हों या देश के अंदर के संगठन हों, सबकी जानकारी राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को है। यदि हमें सचमुच आतंकवादी से लड़ना है तो हमें इसे भावनाओं से नहीं जोड़ना चाहिए। राष्ट्र की सुरक्षा अहम है। राष्ट्र और देश की जनता की सुरक्षा किसी की भी भावनाओं से ऊपर है। यदि सचमुच आतंकवाद से लड़ना है तो इसे भावनाओं से नहीं जोड़ना चाहिए। भावनाओं को अलग रखते हुए आतंवाद से निपटना है। यह केवल आतंकवाद नहीं बल्कि कई वर्षों से हमारे देश के खिलाफ छिपा हुआ युद्ध है, प्रॉक्सी वार है। सारा देश इस बात को जानता है। एक के बाद एक हमले होते जा रहे हैं। हमें इसकी जड़ तक पहुंचने की आवश्यकता है। जो संगठन आतंकवाद से लिप्त हैं, चाहे वे किसी भी राज्य, प्रांत, भाषा, धर्म के हों, उनको जड़ से उखाड़ने की आवश्यकता है।

माननीय अध्यक्ष महोदया, मेरा निवेदन है कि जब गृह मंत्री जी दो बजे बयान दें तो वे केवल सदन को तथ्य से अवगत न कराएं बल्कि आतंकवाद से निपटने के लिए क्या कार्रवाई की है और कौन से सख्त कदम उठाने वाले हैं, इसकी जानकारी भी सदन को दें।

श्री नामा नागेश्वर राव (खम्माम): माननीय अध्यक्ष महोदया, कल हैदराबाद में बम ब्लास्ट हुआ है, हम इसे स्ट्रंगली कन्डेम कर रहे हैं। हमें आज गवर्नमेंट द्वारा कही गई दो बातों पर ध्यान देने की जरूरत है। पहली बात है कि होम मिनिस्टर साहब ने कहा कि दो दिन पहले इस विषय के बारे में राज्य सरकार को बताया दिया गया था। दूसरी बात है कि मीडिया से खबर आई है कि अगस्त में उग्रवादी को दिल्ली पुलिस ने अरेस्ट किया और उसके बाद हैदराबाद में रेकी की गई है। दिलसुख नगर, बेगमपेट और एबिट्स तीनों जगह में रेकी हुई है, छः महीने पहले जिसे अरैस्ट किया है उसने बताया है। लेकिन इसके बाद भी छः महीने से प्रापरली कंट्रोल नहीं कर पाए हैं। दो दिन पहले जो बात पता चली उसे भी सीरियसली नहीं लिया गया। आज दिलसुख नगर में वारदात से दिल में सुख नहीं रहा, इससे देश को दुख हो रहा है। 2004 से पूरे देश में 30 जगह कन्टीनुअसली ब्लास्ट हो रहे हैं। असम, वाराणसी से लेकर जयपुर, गोहाटी, बैंगलूर, अहमदाबाद, दिल्ली और मुम्बई में कन्टीनुअसली 30 ब्लास्ट हुए हैं। इनमें 952 लोगों की मृत्यु हुई है और 2500 लोग घायल हुए हैं। हैदराबाद, आंध्र प्रदेश में 2004 से कई बार ब्लास्ट हुआ है।

पुलिस कंट्रोल रूम के बगल में बम ब्लास्ट हुआ है। कल जिस जगह बम ब्लास्ट हुए हैं, उस जगह पर पहले भी टैरिरिस्ट्स ने अटैक किया है। मगर इसे हमें गवर्नमैन्ट का फेल्योर जरूर बोलना पड़ेगा। गवर्नमैन्ट की ठीक ढंग से एक व्यवस्था है,, इंटेलिजेन्स एजेन्सीज हैं, लेकिन इन सबके और स्टेट गवर्नमैन्ट, सैंट्रल गवर्नमैन्ट के फेल्योर की वजह से आज यह कांड हुआ है। देश में जब भी ऐसी कोई इंसीडेन्ट होती है तो मैडम आप कंडोलेन्स देती हैं और हम लोग भी श्रद्धांजलि देते हैं। उसके बाद गवर्नमैन्ट स्टेटमैन्ट देती है, लेकिन उसके बाद क्या इनवेस्टीगेशन हुआ है, उसका रिजल्ट क्या है, उसका रीएक्शन क्या है, आज तक यह गवर्नमैन्ट ने नहीं किया और उसी वजह से आज आतंकवाद बढ़ रहा है। अभी भी हम सब लोगों ने कहा है कि हम सब लोग इस इश्यु पर गवर्नमैन्ट का साथ देंगे। भारत एक है, टैरिरिस्ट्स को खत्म करने के लिए हम लोग सरकार के साथ हैं। लेकिन गवर्नमैन्ट इसे उतना सीरियसली नहीं ले रही है। जब इंसीडेन्ट्स होती हैं तो दो-तीन दिन इधर-उधर करेंगें और उसके बाद उसे भूल जायेंगे और अगली इंसीडेन्ट होने तक हम लोग सोते रहते हैं। उसी कारण से ये सब हो रहा है।

मैडम, आज गवर्नमैन्ट ऐसे मामलों को बहुत सीरियसली ले, हम लोग इस मामले में गवर्नमैन्ट के साथ हैं। इसके अलावा बम ब्लास्ट में जो लोग घायल हुए हैं या

जिनकी डैथ्स हुई हैं, उन फैमिलीज को ठीक से कम्पैनसेशन मिले।

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): Madam, three things are very important – hanging of Afzal Guru; place is Hyderabad; and the Minister is saying that we had given the warning only two days before. When Afzal Guru was hanged, everybody apprehended that terrorists will hit back. It was a common belief. Even the common people were saying this. It does not need anybody's intelligence report. It is needless to say that this apprehension was not taken seriously by the Government.

I tell you that this may not be the last blast. There may be more blasts because terrorists have been openly saying *hum revenge lenge, badla lenge*. So, it may not be the last blast; there may be more blasts. Therefore, preparedness of the intelligence wing and preparedness of the law enforcing agencies are very important.

There has been a colossal failure. We are not in the habit of hurling abuses on the Government. The Opposition should not be blamed that always we find something wrong with the Government. No. The point is, after the hanging of Afzal Guru, the whole country should have been on the alert; may not be publicly, but confidentially. And specially Hyderabad because in Hyderabad so many factors are there; I do not like to elaborate them; they are all self-explanatory. Temples are being targeted. In Gujarat a temple was targeted. They always target a place where there is a mass mobilization on any occasion – markets and temples. We have seen this in Gujarat.

The point is that India is not a cowardly nation. Let nobody believe that if a terrorist acts, we will bow down. No. India is a great nation. We are all together. We are not to be cowed down under the spate of terrorism – wherever it may originate from. The Government knows this. It is not a question of everybody being united in the Parliament. No fool or stupid or mad in the country will say that he is in favour of terrorism. Only a terrorist can say that he is in favour of terrorism. Indian nation is united; the Government knows it. Therefore, it is not for us to repeat everyday that we are united.

We are not a cowardly nation. We know how to deal with terrorism. But, the point is why there is the repeated failure of the Government. What would the Minister say? Everything has come out on television yesterday. I have seen on TV that the police official was not corroborating that they had a warning from the Central Government. I had seen with my own eyes that the DGP did not corroborate it.

Therefore, I cannot say that terrorism has acted without sufficient warning. There was warning, but the warning was not taken note of. Therefore, I am saying let the country be prepared to face the situation; let there be proper intelligence; and let the Minister be little more serious. We are discussing this issue, but where is the Minister of Home Affairs? He should have shown this respect, at least, to the House. He will make a statement typed out by the Home Secretary. Therefore, there is a lack of seriousness.

Lastly, I agree with my friend, Shri Sharad Yadav, that while hanging Afzal Guru, his family should have been informed and his wife should have been allowed to see him. It is a gross violation of human dignity, definitely.

श्री शरीफुद्दीन शारिक (बारामुला): मैडम स्पीकर, कल जो शैतानी हरकत हुई है, जिसमें कई कीमती जानें चली गई हैं, कई बेगुनाहों का खून सड़क पर गिरा, ज़मीन पर गिरा, उसकी सब लोगों ने मज़म्मत की है। हम भी पुरज़ोर मज़म्मत करते हैं। इस किस्म के शैतानी वाक्यात जहां भी मुल्क में होते हैं, उसकी हम दिल से मज़म्मत करते हैं। लेकिन सिर्फ मज़म्मत करने से ही बातें नहीं चलेंगी। इसके लिए एक जामिया पॉलिसी की जरूरत है कि इस तूफ़ान का मुकाबला हम कैसे करें। उसमें कई कमियां लगती हैं। मुझे लगता है कि सरकार को इंटैलिजेंस बढ़ाने पर तवज्जो देनी चाहिए। एक बार एनडीए गवर्मेंट में अटल जी ने कश्मीर के

बारे में अपने तमाम इंटैलिजेंस के लोगों को बुलाया। जनाब आडवाणी साहब डिप्टी प्राइम मिनिस्टर की हैसियत से मौजूद थे। उन्होंने नक्शे दिखा कर कहा कि इस गली से आते हैं, उस गली से जाते हैं। उसमें बड़े रहनुमा, हमारे मुलायम साहब थे, लालू साहब थे। सबने उस पर बात की और जब हम तक बात पहुंची, छोटे आदमी पर बात पहुंची तो मैंने कहा कि ये सब गलत कह रहे हैं। इनको मालूम ही नहीं है। ये सरकार की आँखों में धूल झोंकते हैं। वे गलियां जहां से खतरे आ सकते हैं, मैं वहां हर जगह घूमा हूँ। लिहाज़ा ये बातें सही नहीं हैं। मुझे याद है कि बाहर निकलते हुए अटल जी ने मेरे कंधे पर हाथ रख कर कहा था कि शारिक मुझे लगता है कि तुम ठीक कह रहे हो। यह एक दूसरे पर इल्ज़ामात देने का मसला नहीं है, यह देश का मसला है, सभी का मसला है। सभी का मसला एक ही है। मैं प्राइम मिनिस्टर साहब से तज़वीज करूंगा कि वे ऑल पार्टी लीडर्स की मीटिंग बुला कर सिर्फ इसी एक बात पर बात करें। इसी एक बात पर सब से मशविरा ले लें। अगर उसमें जरूरी है तो इंटैलिजेंस और दूसरे जो इस सिलसिले में टैक्नीकली एक्सपार्ट लोगों को साथ बिठा कर खामियों का पता करें। आखिर खामियां कहां हैं? हमें क्यों पता नहीं लगता है? जब तक दहशतगर्द आ कर, बॉम्ब ब्लास्ट कर के हमारे लोगों को मार डालते हैं तब तक हमें पता क्यों नहीं लगता है? इतना मॉडर्न ज़माना है, इतनी टैक्नोलॉजी है, सड़कों पर इतने कैमरे लगे हुए हैं, इसके बावजूद यह हो रहा है। डराया जा रहा है, धमकाया जा रहा है, मुल्क दहशत में है। यह क्यों है? इसके वजूहात

क्या हैं? इसको भी देखना पड़ेगा। क्यों यह हो रहा है? इन वजूहातों को देखना पड़ेगा और साथ-साथ उनका हल भी देखना पड़ेगा। बहरहाल यह काबिले-मज़म्मत है। जब तक इस **वबा** को खत्म न कर दिया जाए, इंसानों को यहां चैन नहीं मिल सकता है।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): अध्यक्ष महोदया, यह जो हैदराबाद में मानवता और देश के खिलाफ आतंकवादियों ने हमारे लोगों की जान लेने की घटना की है, देश और दुनिया में इसकी निंदा हो रही है। हम सब इसकी निंदा करते हैं। मैं सदन की भावना देख रहा हूँ कि यह देश एकजुट है कि आतंकवाद का मुकाबला किया जाए और उनको ध्वस्त किया जाए। लेकिन मैं देख रहा हूँ कि इस तरह की घटनाएं रूक नहीं रही हैं। देशभर में आतंकवादी घटनाएं, कभी न कभी हो जाती हैं और महत्वपूर्ण स्थानों पर, जहां पर वे देश को विचलित कर सकते हैं, डरा-धमका सकते हैं, वहां पर आतंकवादी सक्रिय हैं और वे सफल हो जाते हैं।

13.00 hrs

हम उनका मुकाबला करने में और उनको पकड़ने में नाकाम हैं और उनकी बातें रसमी तौर पर क्यों हल्के ढंग से होती हैं कि हमने खबर कर दी थी। यह तो रूटीन खबर होती रहती है कि सजग रहिए, सजग रहिए, यह कोई खबर नहीं है। यह इंटेलिजेंस की फेल्योर है और यह हमारी विफलता है कि हम इस तरह की घटनाओं को रोक नहीं पाते हैं। इसलिए जब इतना बड़ा नैतिक बल हमारा है और देश एकजुट है, तब हम इसका मुकाबला नहीं कर पाए हैं, तो यह कमी है, इस कमी को दूर करना चाहिए। यह मेरा पहला बिंदु है। दूसरा, जो अपराध हुआ, जो घटना घटी, यह क्यों हुई? इसके कसूरवार को पकड़ लिया जाए। तीसरा, जो घायल हुए हैं, उन घायलों के पर्याप्त इलाज की व्यवस्था और जो मृतक परिवार हैं, उनको पूरी सहायता दी जाए, यही उपाय करना चाहिए। हम एकजुट हैं और आतंकवाद को हम किसी भी तरह से सहन नहीं कर सकते हैं। आतंकवादी इस काम में लगे हुए हैं कि देश में अस्थिरता लायी जाए, लेकिन खुशी की बात है कि हम सब एकजुट हैं। इस तरह की दहशत से हमारी जनता भी विचलित नहीं होती है और मुकाबला करने के लिए तैयार है।

SHRI NARAHARI MAHATO (PURULIA): Thank you, Madam Speaker. Many hon. Members have spoken about yesterday's incident. I condemn last evening's incident.

My humble submission to you is this. Last evening, after the incident, I came to know about the remarks and comments of our Home Minister from the Television that the State Government was informed two days back about a possible terrorist attack taking place in Hyderabad.

Madam, terrorism is a burning issue of our country. This terrorist attack, that has happened yesterday, shows the lapses of the State Government and the lapses of the Central Government. The Central Government had informed the State Government about it two days back, but the lapses were there and hence this incident took place.

It is a very condemnable incident. Many hon. Members have expressed their views. We have strongly condemned the incident in this House, but the Government should look into the issues of the people who have died and those who have been injured. Nearly 15 people have died. Their family must be given compensation. Further, nearly 60 people have been seriously injured. Their treatment should be done by the Government.

Secondly, more than 30 such incidents took place previously. How can we check such incidents in the future? The Central Government and the Home Minister should mention about this in his Statement. I feel that a thorough message should be given to the country from this House that we are united and our nation is united irrespective of religion, etc. This is my humble submission to you.

MADAM SPEAKER: Thank you.

SHRI AJAY KUMAR (JAMSHEDPUR): Thank you, Speaker, Madam. Firstly, I would like to extend my condolences to the bereaved families.

One of my colleagues has just now spoken on the intelligence failure. One thing interesting is that in the past so many years not a single case has been detected. So, we do not know about the terrorist attacks, but once we know about it, we are not able to catch the people who are involved in the terrorist attack. So, my request to my colleagues is this. What can we do as Parliamentarians? One of the recommendations is the continuous failure of the intelligence. So, the time has come when we should make the intelligence agencies accountable to the Parliament. There is no accountability of the intelligence agencies at all. So, it is high time that all the intelligence agencies should come under the Parliament's overseeing.

The second important thing is that whenever there is a terrorist incident, there is no standard procedure for compensation. My learned colleague has said why the Parliamentarians cannot evolve a policy to ensure that every time it is not left to the

discretion of State Government or different agencies to decide on compensation. We should have a standard policy for injured for treatment for job or whatever it is. But this Parliament should decide about the victims. The moment this incidence happens, everybody forgets about the victim in two years' time. It has been happening for all the thousand people who have died in the past five to six years.

So, I would request this Parliament that one has to come with the policy for all victims of terrorist crime whether it is naxal affected or not.

Second, it is very important to bring intelligence agencies under the Parliament overseeing. Otherwise, we will continue to have people dying. There is no accountability of intelligence agencies. You say that information has been given by general alert. It is of no value.

There is last thing which is interesting. The police did a raid to one of the hotels and if they knew that person was involved, why could not they publish the photographs in all Television channels that these are people involved in terrorist activities? So, these are things which continue to shock us.

MADAM SPEAKER: Shri Shivkumar Udasi is permitted to associate on the issue raised by Shri Ajay Kumar.